

# विषयानुक्रमणिका

|                                               |    |
|-----------------------------------------------|----|
| ज्योतिषशास्त्रप्रवर्तकाः                      | 1  |
| प्रत्यक्षं ज्यौतिषं शास्त्रम्                 | 4  |
| जातकनिर्माणे अवधेया अंशाः                     | 12 |
| जातकफलनिर्णये बलाबलविचारः                     | 17 |
| मूर्तित्वे परिकल्पित इति श्लोकस्य व्याख्यानम् | 23 |
| ग्रहस्वरूपम्                                  | 28 |
| राशिस्वरूपम्                                  | 32 |
| भावस्वरूपम्                                   | 35 |
| उपचयः                                         | 40 |
| षड्वर्गाः                                     | 42 |
| पञ्चविधा ग्रहमैत्री                           | 46 |
| षड्बलम्                                       | 49 |
| वियोनिजन्म                                    | 54 |
| जन्मविधिः                                     | 62 |
| अरिष्टं तद्भङ्गश्च                            | 67 |
| आयुर्दायः                                     | 71 |
| दशान्तर्दशाविमर्शः                            | 78 |
| गोचरफलनिरूपणम्                                | 83 |
| अष्टकवर्गः                                    | 87 |
| आजीविकानिर्णयः                                | 90 |

|                                          |     |
|------------------------------------------|-----|
| राजयोगाः                                 | 93  |
| नाभसयोगाः                                | 97  |
| चान्द्रयोगाः                             | 101 |
| द्विग्रहयोगाः                            | 106 |
| प्रव्रज्यायोगाः                          | 109 |
| चन्द्रराशिशीलनिरूपणम्                    | 112 |
| ग्रहाणां राशिशीलनिरूपणम्                 | 116 |
| भावफलनिर्णयः                             | 120 |
| भावफलनिरूपणम्                            | 126 |
| अनिष्टयोगाः                              | 130 |
| स्त्रीजातकम्                             | 134 |
| मृत्युयोगचिन्तनम्                        | 138 |
| नष्टजातकनिर्माणम्                        | 142 |
| समाजसमुद्घरणे ज्योतिःशास्त्रस्य योगदानम् | 147 |